

डिजी यात्रा सेवाओं का वसितार

[स्रोत: द हट्टि](#)

हाल ही में डिजी यात्रा फाउंडेशन के सीईओ ने प्रस्ताव दिया है कि हवाई अड्डों पर उपयोग की जाने वाली [डिजी यात्रा तकनीक](#) का उपयोग होटलों एवं ऐतिहासिक स्मारकों जैसे सार्वजनिक स्थलों पर भी किया जा सकता है।

- 'डिजी यात्रा' **बायोमेट्रिक इनेबलड सीमलेस ट्रैवल एक्सपीरियंस (BEST)** आधारित फेशियल-रकिग्नशिन तकनीक है।
 - इससे हवाई अड्डों पर बायोमेट्रिक्स का उपयोग करके चेक-इन सेवाएँ मिलती हैं जिससे हवाई अड्डों पर कागज़ रहति आवाजाही सुलभ होती है।
 - यह **नागरिक उड्डयन मंत्रालय** द्वारा समन्वित एक उद्योग-आधारित पहल है।
 - वर्ष 2022 में इसकी शुरुआत के बाद से वर्तमान में इसके तहत **14 हवाई अड्डे शामिल** हैं तथा वर्ष 2024 के अंत तक 15 अतिरिक्त हवाई अड्डों को इसके तहत शामिल किया जाएगा।
- होटलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों में डिजी यात्रा के संभावित अनुप्रयोग से पता चलता है कि इसको हवाई क्षेत्र से अतिरिक्त क्षेत्रों में भी लागू किया जा सकता है।
- **चिंताएँ:**
 - **गोपनीयता का उल्लंघन:** इससे सरकार को लोगों के यात्रा पैटर्न के संबंध में जानकारी मिल सकती है।
 - **डेटा सुरक्षा:** इसके तहत यात्रियों के बायोमेट्रिक डेटा को एकत्र किया जाना शामिल है।
- डिजी यात्रा फाउंडेशन एक **गैर-लाभकारी नज्जी कंपनी** है, जिसमें **नज्जी हवाई अड्डों के संघ की 74% हस्सेदारी** तथा **भारतीय वमिनपत्तन प्राधिकरण की 26% हस्सेदारी** है।

और पढ़ें... [डिजी यात्रा](#)